जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण

जिला जींद

2006. 2007

जिला सांख्यिकीय अधिकारी
जींद

<u>आमुख</u>

इस प्रकाशन का उद्वेश्य जिला जींद मे पिछले एक वर्ष मे सामाजिक एवम् आर्थिक तथा अन्य विकास कार्यो के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना है। इस में जिले से सम्बंधित विभिन्न विषयों विशेषकर क्षैत्रफल, जनसंख्या, कृशि, सिंचाई, वन, पशुपालन, उद्योग, सड़क, तथा परिवहन, सचार, श्रम तथा रोजगार, सहकारिता, बैक, शिक्षा, चिकित्सा, समाजकल्याण इत्यादी के अतिरिक्त बहुत से विविध विषयों पर सूचना के साथ साथ **जनगणना 2001 अनुसार जनसंख्या की सूचना** उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है ।

यह प्रकाशन विभिन्न विभागो, अनुसंधान संस्थाओ और उन संस्थाओ एवं व्यक्तियों के लिये उपयोगी सिद्व होगा जिनकी जिला जींद की सामाजिक व आर्थिक समस्याओं तथा उनसे जुड़े अन्य पहलुओं में रुची है।

मैं जिला जींद के विभिन्न कार्यालय अध्यक्षों, जिन्होंने इस प्रकाशन के लिये सूचना उपलब्ध कराने में सहयोग दिया, के लिए आभारी हुं ।

अन्त में मैं श्री रमे ा कुमार व श्री शिव नारायण अवर क्षैत्रीय अनुसंधाता,श्री शिव कुमार सांख्यिकीय सहायक द्वारा एंव श्रीमती निर्मल स0जि0स0अ0 के मार्गदर्शन में इस प्रकाशन को संकलित करने ग्राफ तैयार करने तथा रिर्पोट को इस रूप में समय पर प्रकाशित करने के लिय आभार प्रकट करता हूं ।

तिथि 25.08.2008

के0 एस0 तंवर
जिला सांख्यिकीय अधिकारी
जींद

।

जिला जीन्द

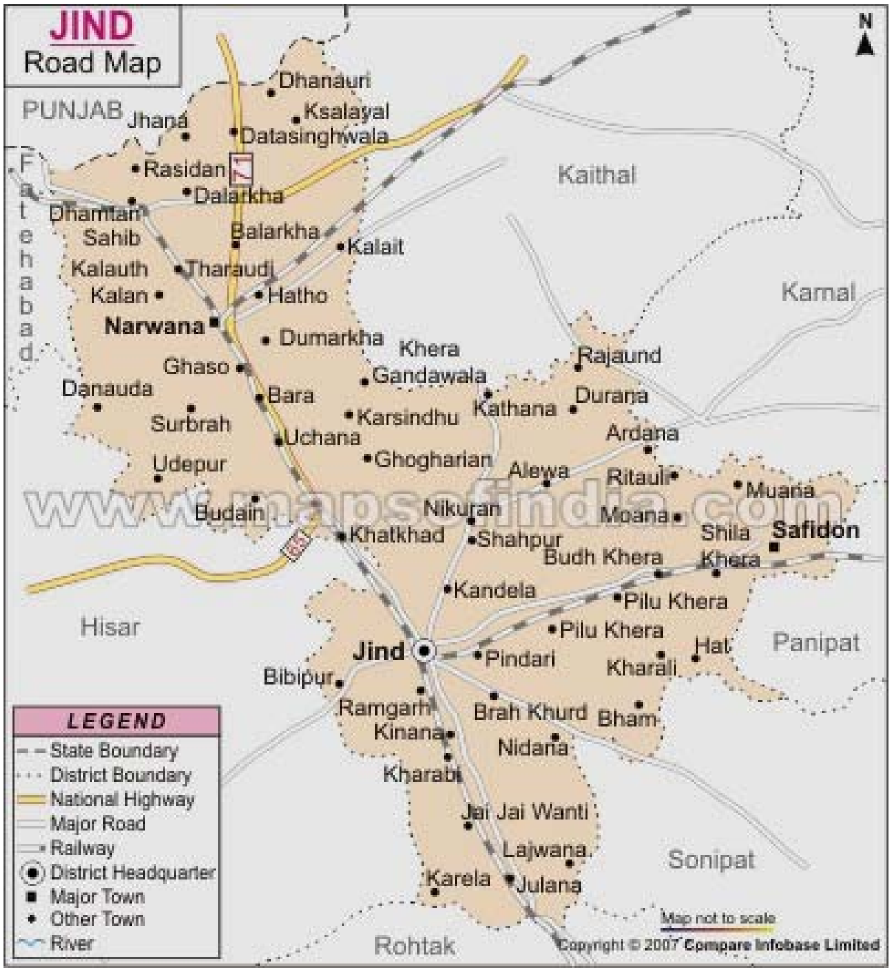

जिला : जींद

उपमण्डल : जींद, नरवाना, सफीदों।

तहसील : जींद, जुलाना, नरवाना, सफीदों।

उप तहसील : अलेवा, उचाना, पिल्लुखेडा।

खण्ड : जींद, जुलाना, नरवाना, सफीदों, अलेवा, उचाना, पिल्लुखेडा।

नगरपालिका : जींद,जुलाना, नरवाना, सफीदों ।

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण–जिला जींद

विषय सूची

विषय	*पृष्ट संख्या*

परिशिष्ठ–1 सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण –जिला जींद	2–3
1. परिचय एवं भौगोलिक स्थिति	**4–5**
2. जनसंख्या	6–8
जनगणना के आकंडे	
घनत्व	
ग्रामीण व शहरी जनसंख्या	
साक्षरता ग्रामिण व शहरी	
3. वन	**9**
वनो के अधीन क्षेत्रफल	
4. कृि ा	**10**–11
5. सिचाई	12–13
सिचाई के साधन	
फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र	
सिचाई की सधनता	
नलकूप / पप्पिंग सैट	
बाढ.	
6. पशुपालन तथा डेरी	14–15
पशु पालन	
पशु चिकित्सालय सेवायें	
डेरी 'दुग्ध उत्पादन'	
7. मछली पालन	16
8. विद्युत	
एल टी और 11 किलोवाट लाइने	**17**
नलकूप	
विभिन्न परियोजनाओ में विद्युत का उपयोग	
9. खनिज पदार्थ तथा उद्योग	18
खनिज उत्पादन	
लघु उद्योग ईकाईयां	

विषय	*प्रष्ट संख्या*
10. सड़क तथा परिवहन,संचार	19
सड़को की लम्बाई	
राज्य परिवहन	
सड़क दुर्घटनायें	
पंजीकुत गाडियों की सख्यां	
डाकघर व तार घर	
11. श्रम तथा रोजगार	20
औद्योगिक झगडें	
रोजगार केन्द्र	
मजदूरी की औसत दैनिक आय	
12. सहकारिता	21
13. बैंक	22
14.कीमतें	**23**
15. शिक्षा	24—25
16. चिकित्सा तथा स्वास्थ्य	26
17. कमजोर् वर्ग	27
18. विविध	28—30
नगरपालिकाएं	
नगरपालिकां एवम जिला परिशद	
जिला राजस्व	
पुलिस अपराध तथा कारागार	
लधु सचिवालय	
हरियाणा सरकार के कर्मचारी	
वदावस्था एवम अन्य पैंशन	
सुरक्षित पेय जल	
रजिस्ट्रीकरण	

1–परिचय एवं भौगोलिक स्थिति

परिचय

जिला जीन्द का उद्धभव प्रथम नवम्बर 1966 को हरियाणा राज्य के बनने के समय हुआ । जिला जीन्द प्रारम्भ में जीन्द तथा नरवाना तहसीलों को मिला कर बनाया गया था जो पहले जिला संगरूर का भाग थी । तीसरी तहसील सफीदों को वर्ष 1967 में तहसील जीन्द से पृथक कर गठित किया गया था । जनवरी 1973 में तत्कालिन जिला कुरूक्षेत्र की तहसील कैथल से 6 गांव तहसील नरवाना में, 43 गांव तहसील जीन्द में तथा 5 गांव तहसील सफीदो में स्थानान्तरित किये गये । हांसी तहसील (हिसार) का एक गांव बरसोला 1974 में तहसील जीन्द को स्थानान्तरित किया गया । नवम्बर, 1990 को नये जिला कैथल के उद्धभव के साथ जिला जीन्द से 44 गांव कैथल जिला में स्थानान्तरित कर दिये गये । इसके पश्चात् वर्ष 1996–97 में 5 गांव तहसील सफीदो में तहसील असन्ध (करनाल) में स्थानान्तरित कर दिये गये । इसके पश्चात् 24.12.1999 को जीन्द तहसील के 30 गांव पृथक करके जुलाना नामक चौथी तहसील सृजीत की गई । इस प्रकार अन्तिम स्थिति अनुसार तहसील जीन्द में 96, नरवाना में 109, सफीदो में 71 तथा जुलाना में 30 गांव है ।

जिला जीन्द का कुल क्षेत्रफल 2736 वर्ग किलोमीटर है जो हरियाणा का 6.28 प्रतिशत है । इसकी जनसंख्या वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार 1189827 है जो पूरे राज्य का 5.63 प्रतिशत है । इसकी 4 तहसीलें जीन्द, नरवाना, सफीदों तथा जुलाना है और 3 उप–मण्डल जीन्द, नरवाना व सफीदो है । प्रशासनिक मुख्यालय, जीन्द में स्थित है । जिलें के कुल क्षेत्रफल में से 787.98 वर्ग किलोमीटर जीन्द तहसील में, 1147.35 वर्ग किलोमीटर नरवाना तहसील में, 559.12 वर्ग किलोमीटर सफीदो तहसील में तथा 267.9 वर्ग किलोमीटर जुलाना तहसील में है ।

जिला जीन्द में अब कुल 307 गांव है जिसमें से 306 आबाद व एक गांव बेचिराग है एक बेचिराग गांव तहसील जीन्द में है । जिलें में 3 उप–तहसील अलेवा, पिल्लुखेडा व उचाना है । सभी गांवों को सात सामुदायिक विकास खण्डोंः जीन्द, जुलाना, उचाना, सफीदो, अलेवा, पिल्लखेडा व नरवाना में बॉटा गया है ।

यहां पर 5 कस्बें जीन्द, सफीदो, नरवाना, उचाना व जुलाना है । इस जिलें में 299 ग्राम पंचायते है और 8 उप–मण्डियां है । जिलें का अधिकांश क्षेत्र सममतल है । यहां की मिट्टी गेहूँ, बाजरा, धान, दालें, गन्ना, कपास आदि फसलों की उपज के बहुत अनुकूल है । यहां पर गर्मियों में बहुत बर्मी तथा सर्दियों में बहुत सर्दी पड़ती है । यहां कोई बड़ी नदी, नाला व पहाडी नही है । जिलें की भूमी नदियो द्वारा पहाडों से लाई गई मिट्टी से बनी है । जीन्द व सफीदों तहसील की भूमी प्राकृतिक आधार पर नरवाना तहसील की भूमी से भिन्न है ।

परिक्षण करने पर पाया गया है। कि यहॉ का भूजल ळतवनदक ॅजमत 14 प्रतिशत अच्छा, 7 प्रतिशत सामान्य, 22 प्रतिशत सोडियम युक्त, 12 प्रतिशत आंशिक क्षारिय और 45 प्रतिशत युक्त क्षारिय है।

जनसंख्या (population)

जनगणना 2001 के आंकडो के आधार पर

जनगणना के आकड़े

जिला जींद की जनसंख्या जनगणना 2001 के आंकडो के आधार पर 1189827 है । 1991–2001 की अवधि में जिले की जनसंख्या में 21.36 प्रतिशत दशकीय वृद्वि हुई है। जबकि 1981– 1991 दश्कीय वृद्वि दर 49.80 थी। हरियाणा राज्य की दशकीय वृद्वि दर में भी बडोतरी हुई है। यह दर 1981–1991 में 27.41 प्रतिशत से बढ़ कर 1991–2001 में 28. 06 हो गई है।

तलिका : जिले की जनसंख्या जनगणना 2001 के अनुसार

	कुल जनसंख्या	पुरुष	स्त्रियां
ग्रामीण	948250	512205	436045
शहरी	241577	130077	111500
कुल जनसख्या	1189827	642282	547545

घनत्व

भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा दिए गए भोगोलिक क्षेत्र के आंकडों के अनुसार जिले का क्षैत्रफल हरियाणा राज्य के कुल क्षैत्रफल का 6.28 प्रतिशत है जबकि जनसंख्या 5.63 प्रतिशत है। जिले की जनसंख्या का घनत्व 440 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0 मी0 है। रा ट का धनत्व 324 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0 मी0 है।

जनगणना 2001 के आधार पर जिले का घनत्व 440 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 है। 1991 की जनगणना के अनुसार जिले का घनत्व 702 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 था । हरियाणा राज्य का घनत्व 1991 में 372 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0 मी0 तथा 2001 में 477 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0 मी0 हो गया है।

ग्रामीण व शहरी जनसंख्या

जनगणना 2001 के आंकड़ो के अनुसार जिले की लगभग 80.84 प्रतिशत जनसंख्या अर्थात 948250 ग्रामीण क्षेत्र में रहती है जिसमें 512205 पुरुष तथा 436045 स्त्रियां है। जिले की शहरी जनसंख्या 241577 जो कुल जनसंख्या का 20.30 प्रतिशत में 130077 पुरुष तथा 111500 स्त्रियां है। ग्रामीण क्षेत्र में तहसील जींद की 287040 जनसंख्या में 155776 पुरुष तथा 131264 स्त्रियां, नरवाना की 369422 जनसंख्या में 198727 पुरुष तथा 170695 स्त्रियां, सफीदों की 198914 जनसंख्या में 107671 पुरुष तथा 91243 स्त्रियां, जुलाना 92874 जनसंख्या में 50031पुरुष तथा 42843 स्त्रियां, शहरी क्षेत्र में नगर जींद की 1135855 जनसंख्या में 73407 पुरुष तथा 62448 स्त्रियां है।

तालिका : **जिले की जनसंख्याः** जनगणना 2001

	ग्रामीण जनसंख्या			**शहरी जनसंख्या**		
तहसील /नगर	कुल व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां	कुल व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां
जींद	287040	155776	131264	135855	73407	62448
नरवाना	369422	198727	170695	64546	34663	29883
सफीदो	198914	107671	91243	27541	14770	12771
जुलाना	92874	50031	42843	13635	7237	6398
कुल	948250	512205	436045	241577	130077	111500

जिला की ग्रामीण जनसंख्या 2001 में 948250 है जो 1991 में 797560 थी । इस तरह ग्रामीण जनसंख्या में 31.62 प्रतिशत दशकीय वृद्वि हुई है। जिले शहरी जनसंख्या 1991 में 165544 सें बढ़ कर 2001 में 241577 हो गई है। अतः श्हरी जनसंख्या में 45.93 प्रतिशत की वृद्वि हुई ।

लिगांनुपात

जिला जींद की जनगणना 2001 के अनुसार प्रति हजार पुरुषों पर 852 महिलाओं का अनुपात हैं जो 1991 में 828 था । इससे स्पष्ट है कि स्त्री पुरुष अनुपात में 1991 की तुलना में बढोतरी हुई है। हरियाणा राज्य में यह अनुपात 861 है जो सभी राज्यो में से कम स्तर पर पहुंचा है।

जिला जींद की ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रो में यह अनुपात क्रमशः 851 तथा 857 है। जो 1991 में क्रमशः 842 तथा 814 था।

साक्षरता

जिला जींद की जनगणना 2001 के अनुसार 739121 व्यक्ति साक्षर है जिसमें 397972 पुरू । साक्षर तथा 224682 स्त्री साक्षर है। 2001 में जिला में 62.12 की साक्षरता दर दर्ज की गई । जिले में 74.69 पुरुष साक्षरता दर, 48.51 स्त्री साक्षरता दर की तुलना में अधिक रही है।

साक्षरता ग्रामीण तथा शहरी

2001 जनगणना के अनुसार जिला में 60.94 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर है। जिनमे 73. 91 प्रतिशत पुरुष तथा 45.57 प्रतिशत स्त्रीयां साक्षर है। 1991 जनगणना के अनुसार जिल में 47.0 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर है जिनमे 61.1 प्रतिशत पुरुष तथा 30.1 प्रतिशत स्त्रीयां साक्षर है।

जबकि 1991 की जनगणना अनुसार ग्रामीण तथा शहरी स्तर पर साक्षरता दर क्रमशः 46.12 तथा 73.56 प्रतिशत थी ।

तालिका : जिले की जनसंख्याः जनगणना 2001

जिले साक्षरता दर 2001 जनगणना

	ग्रामीण			शहरी		
तहसील /नगर	कुल	पुरुष	स्त्रिया	कुल	पुरुष	स्त्रियां
जींद	61.62	76.95	46.29	79.36	87.47	71.26
नरवाना	64.87	80.73	49.01	79.68	88.76	70.61
सफीदो	61.21	80.22	42.20	76.52	85.62	67.43
जुलाना	43.51	63.08	23.95	70.80	84.24	57.37
कुल	57.19	75.95	39.63	78.66	87.30	70.02

ग्रामीण साक्षरता की दृष्टि में तहसील जींद ,नरवाना, सफीदों, जुलाना में साक्षरता दर 61.62, 64.87, 61.21, 43.51, 57.19 प्रतिशत है । उक्त तहसीलों में पुरुष साक्षरता दर क्रमशः 76.95, 80.73, 80.22, 63.08, 75.95 तथा स्त्री साक्षरता दर क्रमशः 46.29, 49.01, 42.20, 23.95 तथा 39.63 प्रतिशत है।

शहरी साक्षरता दर शहरी साक्षरता दर में जिले के 4 नगरों जींद ,नरवाना, सफीदों, तथा जुलाना में साक्षरता क्रमशः 79.36, 79.68, 76.52, 70.80, तथा 78.66 हैं । उक्त नगरों में पुरुष साक्षरता दर क्रमशः 87.74 88.76, 85.62, 84.24 तथा 87.30 है । तथा स्त्री साक्षरता दर क्रमशः 71.26, 70.61, 67.43, 57.37 तथा 70.02 प्रतिशत है।

3–वन (Forest)

वनों अधीन क्षेत्रफल

वन विभाग के अनुसार जिलें में वर्ष 2005–06 में लगभग 6800 हैक्टेयर क्षेत्र वनों के अधीन था जो कुल क्षेत्र फल का 2.51 प्रतिशत है। अत; सर्म्पूण रूप से राज्य वनो ंके अधीन है। निजी वनो के अधीन क्षेत्र ुन्य है। एक लाख व्यक्तियों पर वन का क्षैत्र 571 हैक्टेयर है। वनों ंके लिए विकास योजनाओं में कृशि वानिकी वन तथा सामाजिक वानिकी भाामिल है। सामाजिक वानिकी वन मंडल अधिकारी रोहतक कें अधीन कार्य कर रही है।

4. कृशि (Agriculture)

भूमि का प्रयोग

वर्ष 2006–07 मे गावों के प्रपत्रों के अनुसार जिले का कुल भैगोलिक क्षेत्रफल 279 हजार हैक्टेयर है। 43.1 हजार हैक्टेयर क्षेत्र गैर कृशि प्रयोजनों के अधिन है। वर्तमान परती भूमि के अधिन कुल क्षेत्र 1000 हैक्टेयर है।

वर्ष 2005–06 कृशि योग्य भूमि 234 हजार है0 है, जबकि बोया गया निबल क्षेत्र 233 हजार है0 है जो कृशि योग्य भूमि का 93 प्रतिशत है । एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्र 237 हजार है0 है जो निवल बोये गये क्षेत्र का 82.83 प्रतिशत है। वर्ष 2005.06 में जिला जींद में कुल बोया गया क्षेत्र 470 हजार है0 रहा ।

तहसील जींद, नरवाना़, सफीदों ,जुलाना निबल बोया क्षेत्र क्रमशः 67.5 हजार, 101.0 हजार, 45.2 हजार, तथा 23.2 हजार है0 है जो कुल निबल क्षेत्र का 95, 98, 95, 96, तथा 93, प्रतिशत है ।

जिला जींद में वर्श 2006–07 के दौरान तहसीलवार कृशि योग्य भूमि बोया गया निबल क्षेत्र निम्न प्रकार से है।

तहसील	कृशि योग्य भूमि	बोया गया निबल क्षेत्र	बोये गये निबल क्षेत्र की कुल कृ ा योग्य क्षेत्र से प्रतिशता
जींद	70.5	67.5	95
नरवाना	103.5	101.0	98
सफीदो	47.4	45.2	95
जुलाना	24.2	23.2	96
कुल	256.4	238.3	93

कृशि जोतें

वर्ष 2000–01 की कूशि गणाना के अनुसार जिले में सक्रिय जोतों की संख्या जींद, 89325 थी। जिसमें से 59.72 प्रतिशत 0–2 हैक्टेयर तक, 25.15 प्रतिशत 2–5 हैक्टेयर के मध्य 7.21 प्रतिशत 5–10 हैक्टेयर के मध्य, 10.31 प्रतिशत 10–20 हैक्टेयर के मध्य 3.91 तथा शेष 0.87 प्रतिशत 20 हैक्टेयर से उपर हैं।

जिला जींद की रबी की मुख्य फसलें गेहॅू, चना तथा खरीफ की मुख्य फसलें धान तथा बाजरा गन्ना व कपास है। वर्ष 2006–07 के दोरान रबी में बोये गए कुल क्षेत्र में से 213.4 हजार हैक्टेयर में गेहॅू और 0.2 हजार हैक्टेयर चने की बिजाई की गई ।

गन्ना व कपास क्रमश; 5.8 हजार हैक्टेयर व 45.7 हजार हैक्टेयर में बोया गया जबकि वर्ष 2005–06 में गन्ना 3.6 हजार हैक्टेयर व 51.7 हजार हैक्टेयर में कपास बोई गई । तेल के बीज तारामिरा, तील, तोरिया व सरसों 5.5 हजार हैक्टेयर में बोये गए जबकि व f 2005–06 में इन फसलों के अधिन कुल क्षेत्र 16.1 हजार हैक्टेयर था

तालिका; विभिन्न फसलों के अधिन क्षेत्र के वर्शवार आकडें निम्न प्रकार से है।

फसल/व f	2002–03	2003–04	2005–06	2006–07
गेहॅू	203	206.9	204.6	213.4
चना	1	0.6	0.7	0.2
धान	69	91.1	96.7	95.2
बाजरा	41	46.0	46.7	55.7
तेल के बीज	12	10.02	16.1	5.5
गन्ना	12	**9.3**	**3.6**	**5.8**
क्पास अमेरिकन व देसी	**26**	**43.2**	**51.7**	**45.7**

मुख्य फसलों का उत्पादन

फसलों के अधिक उत्पादन में प्राकृतिक साधनों जैसे वर्षा, जलवायु तथा भूमि उपजाउ शक्ति का मुख्य योगदान रहा । जिले की मुख्य फसले गेहूं तथा धान है ।

वर्ष 2006–07 में गेहूं का उत्पादन 3861 हजार कि0, चावल का उत्पादन 356 हजार टन था। गुड़ का दत्पादन 66.10 हजार टन था । चावल की औषत उपज 2395 कि0 ग्रा0, गेंहु की 3875 कि0ग्रा0 तथा गुड़ की 4119 कि0ग्रा0 प्रति है0 रही ।

रासायनिक खाद का वितरण

वर्ष 2006–2007 कुल खाद का उपयोग 78944 टन रहा । उपयोग में नाईट्रोजन 63717 टन तथा फासफोरस 14691 टन अनुपात लगभग 4.3:1 रहा जबकि पोटास का उपयोग केवल 536 टन रहा ।

पौधों की सुरक्षा के उपाय

वर्ष 2006–07 में 220.0 टन कीटनाशक दवाओं का उपयोग किया गया जो मुख्यत गेहॅू तथा धान की फसलों के अधीन क्षेत्र में किया गया ।

कृशि यन्त्र तथा उपकरण

कृशि गणना 2003 के अनुसार जिले में उपयोग किए गए कृ ा यन्त्र तथा उपकरणों में ट्क्टरो की संख्या 14008 थी । कम्बाईन हारवेस्टर की संख्या 9945 थी जिसमे से 75 कम्बाईन हारवेस्टर ट्क्टर चलित कम्बाईन हारवेस्टर थे।

6. सिंचाई (Irrigation)

<u>सिंचाई के साधन</u>

सिंचाई में वर्ष 2005–2006 में निबल सिंचित क्षेत्र 221000 है0 था जो कि बोये गये निबल क्षेत्र का 94.9 प्रतिशत था। स्त्रोतानुसार सिंचाई के क्षेत्र में 42.0 प्रतिशत नलकूपों व अन्य साधनों से तथा 58.0 प्रतिशत नहरों का योगदान रहा । नलकूपों द्वारा कुल 93000 है0 तथा नहरों द्वारा 128000 है0 भूमि की सिंचाई की गई ।

<u>फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र</u>

वर्ष 2005–2006 में फसल अनुसार कुल बोया गया क्षेत्र 430 हजार है0 था जो शतप्रतिशत सिंचित था । फसलानुसार सिंचित क्षेत्र की स्थिति इस प्रकार रही गेहूं के अधीन 207 प्रतिशत धान के अधीन 90 प्रतिशत गन्ने के अधीन 6 प्रतिशत, कपास के अधीन 50.प्रतिशत तेल बीजों एवं खाद्य अखाद्य फसलों के अधीन 5 प्रतिशत रहा ।

तालिकाः जिला जींद में सिंचित क्षेत्र की स्थिति '000है0' में

फसल	2002–2003	2003–2004	2004–2005	2005–2006
गेहूँ	203	206.7	206.6	207
चना	0.3	0.5	0	0
बाजरा	20.2	21.7	22.4	22
धान	69	91	91	90
कपास	26	43	49.7	50
गन्ना	12	9.3	5.6	6
तेल के बीज	12	52.5	6.1	5
दालें	1	1	1	1

<u>सिंचाई की सघनता</u>

वर्ष 2004–2005 में जिला जींद में कुल सिंचित क्षेत्र 347 हजार है0 था। जबकि वर्ष 2005–2006 में जिला जींद में कुल सिंचित क्षेत्र 430 हजार है0 हो गया तथा निबल सिंचित वर्ष 2005–2006 में क्षेत्र 221 हजार है0 था जबकि वर्ष 2006–2007 में जिला जींद

में कुल निबल सिंचित क्षेत्र 233 हजार है0 हो गया जिस के अनुसार सिंचाई की सघनता 205.1 प्रतिशत रही ।

नलकूप/पम्पिंगसैट

वर्ष 2005–2006में कुल नलकुपों तथा पम्पिंग सैटों की संख्या 41002 थी। जिसमें 18339 डीजल सैट व 22663 बिजली के सैट थे।

बाढ.

जिला जींद में वर्ष के दौरान यमुना नदी में अति बहाव हो जाने के कारण बाढ़ से प्रभावित हो जाता है, जबकि वर्ष 2004–2005 में यह जिला बाढ़ से प्रभावहीन रहा।

6–पशु पालन तथा डेरी (Live Stock)

पशुपालन

2003. की पशु गणना के अनुसार जिला जींद में पशुधन की संख्या 756000 थी । 2003 में कुल पशुधन में से भैसें 66 प्रतिशत भेंड 6.38 बकरी1.28 प्रतिशत घोड़ें तथा टटटू 0.25,खच्चर 0.13 प्रतिशत, सूअर 1.57 प्रतिशत तथा उॅट 0.05 व कुत्ते 6.67 प्रतिशत थे ।

जिला जींद में 2003 की पशुगणना गध्के आधार पर प्रति हजार मनुष्यों के पीछे पशु संख्या 24 थी । भैसें 501900 घोडें तथा टटटू 1900, खच्चर 1000, गधें 400 भेड़ें 4820,बकरियां 9700,सूअर 11900, कूते 50400, उॅट 400, तथा कुकुटादि 47100 थी ।

पशु चिकित्सा सेवाये

वर्ष 2005–2006 में जिले में पशु चिकित्सा सेवायें प्रदान करने के लिये 54 पशु चिकित्सालय, 82 पशु चिकित्सा डिस्पैंनसरियां, 5 क्षेत्रिय कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र, 77 स्टाक मैन केन्द्र तथा 1 कुक्कुटादि विस्तार केन्द्र कार्यरत थे ।

सभी संस्थाओं द्वारा वर्ष 2005–2006 में 338000 पशुओं का इलाज किया गया, वर्ष के दौरान 21000 गाय तथा 112000 भैसों का कृत्रिम गर्भाधान करवाया गया। जिला जींद में सघन पशुधन विकास परियोजना के अन्तर्गत एक मध्यम आकार की परियोजना कार्य कर रही है, जिसके अन्तर्गत वीर्य बैंक है। जिले में 2005–2006 में 18 विकसित गौशाला थी तथा गौशाला संघ से सम्बन्धित गौशालाओं की संख्या 18 थी ।

डेरी दुग्ध उत्पादन

दुग्ध उत्पादन कृषको के लिये अतिरिक्त आय का एक मुख्य साधन है। 2003 की पशु गणनानुसार कुल पशुधन अर्थात 756000 में से **154500** दुधारू पशु थे ।

विकास कार्य उनका प्रभाव

जिला जींद में एक दुग्ध संयत्र लगा हुआ है। इस संयन्त्रं में वर्ष के दौरान दूध, घी इत्यादि का उत्पादन किया जाता है।इसकी क्षमता प्रति मास 100.79 हजार टन लिटर की है। यहॉ पर सहकारी समितियों ंके माध्यम से दूध का

एकत्रीकरण करके डपसा च्संदज में प्रतिदिन भेजा जाता है। जिसका मुख्य उद्वेश्य इस क्षेत्र में क्ंपतल थ्ंतउपदह को विकसित करना है। इस सयन्त्र में अन्य दूध पदार्थ जैसे धी ,मक्ख्न, दूग्ध पाउॅडर तथा ज्वदक मिल्क आदि तैयार किए जाते है। वर्श 2006–07 के दौरान 3.36 हजार लिटर प्रति दिन दूध की खरीद करके 1.37 हजार लिटर प्रतिदिन दूध की पैकिग करके बेचा गया तथा 1268.31 मी0 टन वीटा धी, 404.19 मी0 टन पनीर एवं 1140.0 मी0 टन ैडच मिल्क का उत्पादन किया गया।

7–मछली पालन (Fish Farming)

यहां जिला मुख्यालय पर एक मत्स्य विकास अधिकारी और तीनों उपमंडलों जींद, नरवाना, तथा सफीदो में तीन मत्स्य अधिकारी कार्यरत हैं इसके अतिरिक्त एक सहायक मत्स्य अधिकारी सफीदो में नियुक्त हैं। पिल्लुखेडा खण्ड को सरकार द्वारा मछली क्रियाओं के लिए सधन ब्लाक धोि ात किया गया हैं। यहाॅ पर मत्स्य किसान विकास स्कीमों की आवश्यक जानकारी प्रदान करता हैं ा जिले में अधिसूचित जल में मछली पकडने का अधिकार विभाग के पास सुरिक्षत है और प्रति वर्श खुली निलामी द्वारा इस की निलामी करवाई जाती है । वर्ष 2005–06 के दौरान मछली उत्पादन 2158 टन था जो वर्ष 2006–07 में बढकर 2524 टन हो गया। जिले में मत्स्य बीज का उत्पादन नहीं किया जाता बल्कि सीमांत जिलों के ममक थ्वतउ तथा हावड़ा ममक थ्वतउ से पुरी की जाती है । वर्ष 2006–2007 में मछली पालन से कुल 75720 हजार रुपये की आय हुई तथा वर्ष के दौरान 400 लाईसैस जारी किये गये ।

विभाग मछली पालने के लिए आधुनिक तकनिक विधि अपनाने के लिए आर्थिक सहायता भी प्रदान करता है । रा ट्रीयकृत बैंक भी प्रत्येक लाभकत्ता को 90,000 रू0 की राशि ऋण के रूप में प्रदान करते है तथा 32,000 रू0 की राशि ग्रामीण तालाबों के सुधार के लिए भी प्रदान की जाती है । विभाग मछली पालन के उपरोक्त केसों में 25 प्रतिशत अनुदान भी प्रदान करता है ।

8– बिजली (Electricity)

जिलें के सभी गांवों व कस्बों में बिजली प्रदान की जा चुकी है । यहां पर तीन जीन्द, नरवाना एवं सफीदो हरियाणा राज्य विद्युत प्रसार निगम के मण्ड़ल हैं जहां पर कार्यकारी अभियन्ता इन्चार्ज है जिनकी देखभाल में बिजली आपूर्ति की जाती है ।

एल0टी0 और 11 किलोवाट लाईनें

जिलें मे वर्श 2006–07 के दौरान 5654 सर्कट किलोमीटर में एल0टी0 लाईने,4348 सर्कट कि0मी0 में 11 किलोवाट लाईनें व 9220 ट्रांसफार्म थे जबकि वर्ष 2005–06 में 5566 सर्कट कि0मी0 में एल0टी0 लाईनें, 4168 सर्कठ कि0मी0 में 11 किलोवाट लाईनें व 8484 ट्रांसफार्म थे ।

नलकूपों की संख्या

विद्युतिकृत नलकूपों की संख्या जिलें में वर्ष 2006–07 में 22684 हो गई जो 2005–06 में 21507 थी ।

बिजली की खपत

जिलें में वर्ष 2005–06 के दौरान संयोजकों की कुल संख्या 219635 थी जो वर्ष 2006–07 में बढ़कर 225845 हो गई है । इस प्रकार से इसमें 2.82 प्रतिशत की वृद्धि हुई । धरेलु संयोजकों की संख्या सबसे अधिक 183132 (81.08 प्रतिशत) थी । वाणिज्य, उद्योगिक, कृशि एवं भारी मात्रा संयोजकों की संख्या 17865 (12.64 प्रतिशत), 2093 (0.01 प्रतिशत), 27 (0.01 प्रतिशत), 22279 (0.10 प्रतिशत) तथा 428 (0.00 प्रतिशत) थी ।

9. खनिज और उद्योग
(Mining and Industries)

खनिज उत्पादन

जिला जीन्द में केवल मात्र एक ही खनिज रू0 भशोरा उपलब्ध है जो जिलें के केवल 20 गांवों में निकाला व तैयार किया जाता है । प्रति वर्ष औसत 50 लाख रू0 मूल्य के शोरें का उत्पादन किया जाता है । उद्योग विभाग द्वारा ोरा पाए जाने वाले स्थानों की निलामी की जाती है जिस कारण इस मात्रा का सही पता नही चलता ।

उद्योग

जिला जीन्द उद्योगों के मामलें में पिछड़ा हुआ है । जिसका मुख्य कारण उद्यमों की कमी और सहायक कच्चे माल की सुविद्या का अभाव है । यहां पर 31 जुलाई 1996 को केवल 145 मध्यम श्रेणी के और लद्यु एंव ग्रामीण औद्योगिक ईकाईयां कार्यरत थी ।

जिलें में दिसम्बर 2006को 158 रजिस्टर्ड कार्यरत फैक्टरियों में नियुक्त कार्यकत्ताओं की संख्या 13105 थी । जिलें के कार्यरत रजिस्टर्ड फैक्टरियों में कार्यकत्ताओं की राज्य में कार्यकत्ताओं की संख्या का 2.3 प्रतिशत है तथा कार्यकारी फैक्टरियां राज्य का 1.7 प्रतिशत है ।

जिलें में वर्ष 2006–07 के दौरान मुख्य फक्टरियों द्वारा 2 लाख रू0 का विज्ञान का सामान, 8500 वर्ग0मी0 हथकरघा बुनकर, 22213 मी0 टन खांड़, 430 लाख रू0 के कृि ाउपकरण 803 लाख रू0 के सूति कपड़े तथा 64 हजार गांठे कपास बेलना तथा स्पीड़न का उत्पादन किया गया था ।

10. सड़क तथा परिवहन
(Road , Transport and Communication)

सड़को की लम्बाई

लोक निर्माण विभाग 'भवन तथा सड़के ' द्वारा सारा साल सड़को की देखभाल की जाती है। साल 2006–2007 में जिले में 1183 कि0 मी0 पक्की सड़ंके और 8 कि0 मी0 कच्ची सड़ंके थी। इस प्रकार सड़को की कुल लम्बाइ 1191 कि0 मी0 थी। तथा जिले के सभी गांव सड़को से जुड़े हुए हैं।

राज्य परिवहन

जिले में हरियाणा राज्य परिवहन का एक डिपो है तथा एकसब डिपो हैं जिसमें 162 बसें जिले के भीतर व राज्य तथा अर्न्तराज्य रूटों पर चलाई जा रही है। इन बसों द्वारा 2006–2007 में 208.02 लाख कि0मी0 दूरी तय की गई जिस से 871.58 लाख रू0 हानि हुई है। इन बसों से प्रतिदिन औषत 829.84 लाख यात्रियों द्वारा यात्रा की गई।

सड़क दुर्घटनायें

2006–2007 में 137 दुर्घटनाये घटी जिसमें 161 गाडियां दुर्घटना ग्रस्त हुई । इन दुघर्टनाओं में 161 व्यक्ति मारे गयें तथा 85 व्यक्ति घायल हुए ।

पंजीकूत गाडियॉ की संख्या

जिले में वर्ष 2006–2007 के दोरान रजिस्टर की गई गाडियॉ की संख्या 7288 थी। जिनमें सबसे अधिक 4682 मोटर साईकिल / स्कूटर /ओटो साईकिल थे। 31 मार्च 2007 तक चल रही गाडियॉ की संख्या 94189 थी।

डाकघर व तारघर

2006–2007 वर्ष में जिले में 164 डाकघर तथा 5 तारघर कार्य कर रहे थे । प्रति लाख व्यक्ति के पीछे 5 डाकघर कार्य कर रहे थे। इसके अतिरिक्त जनता की सुविधा के लिये 604 लेटरबांक्स की सेवाये प्रदान की गई।

11– श्रम तथा रोजगार
Labour and Employment

औद्योगिक आंकड़ें

जिलें में 2006–07 में कुल 25 ट्रेड़ यूनियन पंजीकृत थी जिसकी सदस्यों की कुल संख्या 997 थी । इन यूनियनों को कुल 156612 रूपऐ आय हुई जबकि खर्च 1152.92 हुआ। व ों के दौरान कोई महत्वपूर्ण फैक्टरी दुर्धटना व औद्योगिक झगड़ा एवम तालाबन्दी रिकार्ड
नही हुई।

रोजगार

जिलें में 31 दिसम्बर 2006 को कल 2708 प्रति ठान थे जिनमें 1016 व्यक्ति कार्यरत थे । इनमें से 2520 दुकानें, 68 वाणिज्य प्रति ठाान और 120 होटल व जलपानगृह थे । व ों 2004 में इनकी संख्या 7519 व 98 थी ।

31 मार्च 2005 को संगठित क्षेत्र में कुल रोजगार 20456 में से 18387 (90.3 प्रतिशत) सार्वजनिक क्षेत्र में था जबकि निजि क्षेत्र में केवल 2069 (9.06 प्रतिशत) था । 31 मार्च 2004 को सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार की संख्या 200746 व निजि क्षेत्र में रोजगार की संख्या 1946 थी ।

श्रमिकों की दैनिक औसत आय

वर्ष 2004–05 के दौरान जिलें में निपुण कार्यकर्त्ताओं जैसें बढई व लुहार की दैनिक मजदूरी क्रमशः 209 व 209 रू0 थी जबकि गत वर्ष यह 204.55/– रू0 थी । कृ िमजदूरों की वर्ष 2005–06 में औसत मजदूरी 150/– रू0 थी जबकि यह 2004–05 में यह दर 147 रू0 थी ।

12– सहकारिता (Co-operation)

<u>समितियां</u>

जिलें में सहकारी वर्ष 30 जून 2007 की समाप्ति पर सभी प्रकार की सहकारी समितियों की संख्या 1121 थी जिनके कुल **सदस्यों** की संख्या 314669 थी । जोकि 30 जून 2006 की समाप्ति पर सहकारी समितियों की संख्या 1045 और इसकी सदस्य संख्या 306000 थी ।

<u>उधार समितियां</u>

वर्ष 2006–07 में उधार समितियों की संख्या जिलें में 76 थी । इनमें 30 (39.47 प्रतिशत) कृशि तथा गैर कृषि उधार समितियां और भोष 46 (60.52 प्रतिशत) गैर कृषि उधार समितियां थी ।

जिला में सहकारी वर्ष 2006–07 कों सहकारी समितियों की कुल संख्या 1121 थी जिसमें से 30 कृषि ऋण समितियों के 166 हजार सदस्यों की 143206 लाख रू0 की हिस्सा पूंजी है। वर्ष 2005–06 कों सहकारी समितियों की कुल संख्या 143 थी जिनकी 123276 लाख रू0 की हिस्सा पूंजी थी । इसी प्रकार वर्ष 2006–07 में गैर कृषि उधार समितियां की संख्या जिलें में 46 है। जिनकी 5 हजार सदस्यों की 55.02 लाख रू0 की हिस्सा पूंजी थी जबकि वर्ष 2005–06 में भी 46 गैर कृशि उधार समितियां की समान हिस्सा पूंजी थी और 4 हजार सदस्य थे।

13– बैंक उद्योग (Banking)

बैंक तथा इसकी संख्या

जिलें में 31 मार्च 2007 की समाप्ति पर अनूसुचित बैंकों की कुल संख्या 68 थी। इनमें से 43 ग्रामीण क्षेत्र में और शेश 20 ाहरी क्षेत्र में स्थित थे । इस समय एक लाख जन–संख्या को बैंकिग सेवा प्रदान करने के लिए औसतन 5.12 भााखाएं है ।

जिला जीन्द में 31 मार्च 2007 को अनूसुचित बैंको में जमा राशि 954 करोड़ रू0 व ऋण राशि 895 करोड़ रू0 थी । ऋण जमा अनुपात 93.82 था जबकि मार्च 2006 में यह अनुपात 93.78 था ।

14—कीमतें (Pricè)

थोक भाव

खाद्यान्नों की कटाई के समय वर्श 2006—07 में गेहूँ का भाव 855. 61रू0 तथा घान का भाव 700.62 रू0 प्रति क्विंटल था जबकि वर्श 2005—06 में गेहूँ का भाव 756.9 रू0 तथा द्यान का भाव 613.19 रू0 प्रति क्विंटल था । जिलें में वर्श 2006—07 में मार्केट कमेटियां जीन्द, नरवाना, जुलाना, सफीदो, पिल्लुखेडा व उचाना थी । इनमें प्रत्येक ुक्रवार को कृशि पदार्थो के थोक भाव व मासिक आमद एकत्रित किए जाते है ।

खुदरा भाव

खाद्य वस्तुओं के प्रति कि0ग्रा0 औसत खुदरा भाव मार्च 2007 के अन्त में गेहूँ (आटा) 10 रू0, चावल 13 रू0, चना 23 रू0, मुंग दाल 36 रू0, चीनी मध्यम 20 रू0, सरसों का तेल 46 रू0, गुड़ 17 रू0 तथा वनस्पति धी (5 कि0टीन) 220 रू0 प्रचलित थे । अखाद्य वस्तुओं के खुदरा भाव मार्च 2006 के अन्त में इस प्रकार थें :— नहाने का साबुन 18.00 रू0 प्रति टिकियां, जुते बाटा 865 रू0 प्रति जोड़ा, बर्तन एल्युमिनियम 135रू0 प्रति कि0ग्रा0, कपड़ा लट्ठा 35 रू0 प्रति मीटर था जबकि व ा 2005 में यह भाव इस प्रकार थे :— नहानें का साबुन 18 रू0 प्रति टिकियां, जुते बाटा 849 रू0 प्रति जोड़ा, बर्तन एल्युमिनियम 130 रू0 प्रति कि0ग्रा0 और कपड़ा लट्ठा 35 रू0 प्रति मी0 प्रचलित थे ।

15. शिक्षा (Education)

विधालय तथा महाविधालय

जिला जींद में वर्ष 2006.07 के दौरान 167 प्राथमिक, 127 माध्यमिक तथा 346 उच्च वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्राप्त विद्यालय ग्रामिण तथा शहरी क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान कर रहे थे। तथा 17 महाविधालय कार्यरत है। इन प्राथमिक,माध्यमिक तथा उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्राप्त विद्यालयों में क्रमशः 25526, 37064, 167277 छात्र है ।

वर्ष 2006–07 के दौरान 229867 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। जिनमें से 25526, 11.10 प्रतिशत विद्यार्थी प्राथमिक / पूर्व प्राथमिक विद्यालयों में 37064, 16.12 प्रतिशत माध्यमिक विद्यालयों में तथा शेष 167277 में 72.77 प्रतिशत विद्यार्थी उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों शिक्षा ग्रहण कर रहे थे ।

वर्ष 2006–2007 जिला जींद में अनुसूचित जाति के कुल 54863 विद्यार्थियों ने मान्यता प्राप्त विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण की जो कुल विद्यार्थियों का 23.86 प्रतिशत है । इन में 10666, 19.44 प्रतिशत विद्यार्थी प्राथमिक / पूर्व प्राथमिक विद्यालयों में 10642, 19.39 प्रतिशत माध्यमिक विद्यालयों में तथा शेष 33555, 61.16 प्रतिशत विद्यार्थी उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे है।

तालिकाः मान्यता प्राप्त विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या;

	कुल विद्यार्थी			अनुसूचित जाति के विद्यार्थी		
	कुल	छात्र	छात्राऐं	कुल	छात्र	छात्राऐं
प्रथमिक	25526	14152	11374	10666	5526	5140
माध्यमिक	37064	18964	18100	10642	5691	4951
उच्चएवं वरिष्ठ	167277	71958	55278	33555	19932	13623
जोड़	229867	128029	101838	54863	31149	23714

जिला जींद में प्रति अध्यापक विद्यार्थियों का अनुपात लगभग 19 प्राथमिक, 31 माध्यमिक तथा 27 उच्च एवं 23 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों का था

प्रति अध्यापक विधार्थियों की संख्या निम्नप्रकार से रही।

व र्ा	प्राथमिक	माध्यमिक	उच्च	वरि ट

2005–2006	46	42	17	25
2006–2007	19	31	27	23

इसके अतिरिक्त प्राईमरी शिक्षा के लिये समेंकेतिक बाल विकास परियोजना के अन्तर्गत जीद , नरवाना, सफीदो ,जुलाना, ओर उच्चाना ब्लाक में 1080 आंगनवाड़ी केन्द्र कार्यरत है।

जिला जींद में वर्ष 2006–2007 में 8 कला एवं विज्ञान महाविधालयों में 12132 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे जिसमें 1319 विद्यार्थी अनुसूचित जाति से सम्बन्धित थे ।

अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

व्यवसायिक शिक्षा के लिए जिला में 3 इन्जिनियरिंग महाविधालय एवं एक प्रशिक्षण महाविद्यालय भी कार्यरत था उपरोक्त के अतिरिक्त जिला जींद में 6 औद्योगिक प्राक्षिण संस्थान प्रशिक्षण, 3 राजकीय व्यवसायिक शिक्षा संस्थान तथा एक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान भी कार्य कर रहे थे जिनमें कुल 1460 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। इनमें 201 विद्यार्थी अनुसूचित जाति से सम्बन्धित थे ।

इन्जिनियरिंग कालेज

क्षेत्रीय इन्जिनियरिंग कालेज जींद में वर्ष 2004–2005 में स्नातक स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश की क्षमता 2160 प्रशिक्षण रही जिसमें यांत्रिक, विद्युत, इलौक्ट्रोनिक्स और कम्यूनिकेशन, कम्पूटर इन्जिनियरिंग, एम0सी0ए0 तथा अन्य में क्रमशः 540, 240, 690 510तथा अन्य में 180 के लिए प्रवेश क्षमता रही ।

16– चिकित्सा एवं स्वास्थय
(Medical & Health)

स्वास्थ्य सेवाऐं

जिलें में चिकित्सा सुविधाएं नगरपालिका तथा राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जा रही है। वर्ष 2006–07 में जिलें में 3 सामान्य हस्पताल, 1 ड़िस्पैंसरी जिनमें आर्युवेदिक ाामिल नही है । 24 प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र, 158 उप–केन्द्र व 3 सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र जन–साधारण को चिकित्सा सुविद्याएं तथा स्वास्थय रक्षा प्रदान कर रहे है जबकि वर्ष 2005–06 में भी 4 सामान्य हस्पताल, 9 ड़िस्पैंसरियां, 27 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 158 उप–केन्द्र व 6 सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र कार्यरत थे ।

वर्ष 2006–07 में 27047 बच्चों का जन्म हुआ जबकि वर्ष 2005–06 में 25175 बच्चों का जन्म हुआ था । जिलें में वर्ष 2006–07 के दौरान 6837 मौतें हुई जबकि वर्ष 2005–06 में 6282 मौतें हुई थी ।

परिवार कल्याण कार्यक्रम

जिलें में सभी परिवार कल्याण केन्द्र सूचारू रूप से कार्य कर रहे है । वर्ष 2006–07 के दौरान जिलें में 4752 व्यक्तियों ने परिवार नियोजन के लिए आप्रेशन करवाया जबकि वर्ष 2005–06 में 5625 व्यक्तियों ने इस कार्यक्रम को अपनाया था ।

पीने के पानी की सुविधा प्राप्त गांव

इस जिलें में सभी आबाद गांवों में पीन का पानी सूचारू रूप से उपलब्ध करवाया जा चुका है ।

<u>17– कमजोर वर्ग</u>

(Weaker Section)

<u>वि ोश कार्यक्रम</u>

अनुसूचित जाति के लोगों के उत्थान के लिए जिलें में कुछ विशेश कार्यक्रम चलाएं जा रहे है । जिनमें मुख्यतः भवन निर्माण के लिए द्यन का प्रावधान, विद्ययार्थियों के लिए छात्रवृतिया देना तथा मुफत पुस्तक व वर्दिया प्रदान करना है । बैंकों द्वारा भी अनुसूचित जाति के लोगों के लिए ब्याज की रियायती दर पर ऋण उपलब्ध करवाएं जा रहे है । वर्ष 2006–07 के दौरान जिलें में कुल 137_परिवारों को भवन निर्माण के लिए लाभान्वित किया गया । वर्ष 2005–06 में 89 परिवारों को इस स्कीम के अन्तर्गत लाभान्वित किया गया था ।

<u>जिला ग्रामीण विकास अभिकरण</u>

ग्रामीण विकास एजेन्सी ैळै तथा अन्य कार्यक्रम द्वारा गरीब व्यक्तियों को गरीबी रेखा से उपर उठाने के कार्यक्रमों को तेजी से लागु किया जा रहा है । इन कार्यक्रमों द्वारा वर्ष 2006–07 में 1323 परिवारों का आर्थिक सहायता प्रदान की गई है जिनमें से 487 परिवार अनुसूचित जाति के थे इन परिवारों को 435.42 लाख रू0 का ऋण तथा 124.71 का अनुदान प्रदान करवाया गया जबकि वर्श्र्श 2005–06 में 736 परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई है ।

<u>अन्य अभिकरण</u>

ैळलै के साथ–2 जिलें में वर्ष 2006–07 के दौरान हरियाणा हरिजन कल्याण निगम ने भी 951 गरीब परिवारों को 272.83 लाख रूपये जिसमें 160.52 लाख रूप्ये बैकों द्वारा सविकूत ऋण राशि प्रदान की गई जबकि वर्ष 2005–06 में 1133 परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी वित्तीय सहायता ैनइेपकल – डंतहपद डवदमल के रूप में प्रदान की गई ।

18– विविध (Miscellanious)

1 नगरपालिकाएं

जिले में नगरपालिकाओं का आय–व्यय का विवरण निम्न प्रकार था ।

(रूपये 000 मे)

नगर निगम / नगर परिषद्व / नगर पालिका	जनसंख्या 2001	लेखा 2004–2005 आय	लेखा 2004–2005 व्यय	लेखा 2005–2006 आय	लेखा 2005–2006 व्यय	लेखा 2006–2007 आय	लेखा 2006–2007 व्यय
तहसील / नगर		**86197**	**93686**	**126129**	**117775**	**98915**	**99217**
जींद		31170	31320	39175	36118	39899	40869
नरवाना		33173	40614	41884	43411	20707	19731
सफीदो		19145	19149	25348	25329	21564	21456
उचाना		2709	2603	19722	12917	16745	17161
जुलाना		–	–	–	–	–	–’

2. नगरपालिका एवं जिला परि ाद

जिला जीन्द में वर्ष 2006–07 के दौरान चार नगरपालिकाएं जीन्द, नरवाना, सफीदों एवं उचाना ही कार्यरत थी । इस वर्ष के दौरान इन नगरपालिकाओं का कुल खर्च 992.18 लाख रू0 तथा आय 989.16 लाख रू0 थी । इस जिलें में जिला परिशद का गठन किया जा चुका है तथा खण्ड़ स्तर पर 7 पंचायत समितियां गठित की गई है ।

<u>3. जिला राजस्व</u>

जिलें में वर्ष 2006–07 के दौरान समायन्य बिक्री कर से 393829 हजार रू0, केन्द्रीय बिक्री कर से 33182 हजार रू0 तथा मनोरंजन व भाोकर से 208 हजार रू0 की आय हुई जबकि वर्श 2005–06 में समायन्य बिक्री कर से 400269 हजार रू0, केन्द्रीय बिक्री कर से 39008 हजार रू0 तथा मनोरंजन व भाोकर से 3238 हजार रू0 की आय हुई थी ।

<u>4. पुलिस, अपराध तथा कारागार</u>

31 दिसम्बर 2006 को जिलें में 11 पुलिस स्टेशन तथा 11 पुलिस चौकिंया थी । इसके अतिरिक्त एक पुलिस लाईन भी है जिसमें कर्मचारियों के लिये सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध है।

वर्ष 2006–06 के दौरान जिलें में कानुन व्यवस्था आमतौर पर सामान्य रही । व ा 2006 में कुल 1654 प्रेक्षय अपराधों में 34 हत्या, 148 सैध व चोरी 259 साधारण व पुश चोरी 16 लुट, 24 हरण, 94 दंगा व अवैध सभा 8 संदो ा मानव हत्या व 2 सिक्का बनाने के थे ।

5. मनोरंजन

जिला जीन्द में 5 सिनेमा धर है जो मनोरंजन की सुविधा प्रदान कर रहे है । इस जिलें में बुलबुल तथा नरवाना में (हरियरल रेस्तरा) है । जिनका प्रबन्ध भ्तलंदं ज्वनतपेउ ब्वतचवतंजपवद द्वारा किया जाता है इस जिलें में 2 स्टेड़ियम (अर्जुन स्टेड़ियम), नवदीप स्टेड़ियम, नरवाना में है जिसमें खेल–प्रतियोंगिताएं आयोजित करने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध है ।

<u>6. लद्यु सचिवालय</u>

इस जिलें में लद्यू सचिवालय का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है । इस समय इसमें उपायुक्त, उप–मण्ड़ल अधिकारी (ना) नगराधीश तथा सभी कार्यालयों के लियें इसमें जगह उपलब्ध हो गई है ।

जिलें में वर्ष 2006–07 के दौरान कुल 40 बायों गैस संयन्त्र स्थापित किये गये । वर्ष 2005–06 के दौरान भी 40 बायों गैस संयन्त्र स्थापित किये गये ।

7. सरकारी कर्मचारी

31 मार्च 2006 को जिला जीन्द में सरकारी कर्मचारियों की कुल संख्या 16329 थी । जिसमें 71 वर्ग 1 , 923 वर्ग 2 , 9983 वर्ग 3 , 3000 वर्ग 4 तथा 2222 फुटकर वर्ग से वेतन प्राप्त, 30 कार्य प्रभारित, 105 सुविधा आधार के थे ।

तालिकाः– जिला जींद में हरियाणा सरकार के कर्मचारी '31.3.2006'

	कुल		अनुसूचित जाति		पिछड़ा वर्ग	
	पुरुष	स्त्रियां	पुरुष	स्त्रियां	पुरुष	स्त्रियां
वर्ग 1	63	8	3	2	1	0
वर्ग 2	723	200	62	16	62	12
वर्ग 3	8120	1863	908	97	1005	119
वर्ग 4	2595	405	827	164	470	54
फुटकर	446	1776	106	475	46	432
कुल	11947	4252	1906	754	1584	994

8. वृद्धावस्था एवं अन्य पैंशन

वर्ष 2006–2007 जिला में ताऊ देवीलाल वृद्धावस्था पैंशन के अर्न्तगत 72431 वृद्धों के 300 रूपये प्रति मास की दर कुल 25.31 करोड़ रूपये तथा 5991 विकलांग व्यक्तियों को 2.46 करोड़ रूपये की राशि पैंशन के रूप में वितरित की गई । तथा 25474 विद्यवाओं को 10.36 करोड़ रूपये की राशि पेंशन के रूप में वितरित की ।

9. सुरक्षित पेयजल

जिला जींद में पेय जल परियोजना में अधीन जिलें के सभी गांवों कों पेयजल सुविधा प्रदान की जा चुकी है।

10. रजिस्ट्रीकरण

वर्ष 2005–2006 जिला जींद में रजिस्ट्री कार्योलयों की संख्या 7 थी जिनमें 1421 अनिवार्य अचल सम्पतियों की रजिस्ट्री हुई । इन अन्तरित सम्पतियों का मूल्य 2025770 हजार रूपये था । इन से सरकार को 5568000 रूपयें की आय हुई। जिले के सभी रजिस्ट्री कार्यालयों में रजिस्ट्री का कार्य कम्पयूटराईज़ है ।